PMP Planet
Multimedia Publishers
The Ultimate Resource

स्किलमेंट

राष्ट्रीय पाठचर्या की रूपरेखा 2022 (NCF-2022) तथा निपुण भारत 2021 पर आधारित

सीपियाँ

पाठ योजना

एफ एस-4
कक्षा-1

PMP

विषय सूची

1.	दो वर्ण वाले शब्द	3
2.	तीन वर्ण वाले शब्द	6
3.	चार वर्ण वाले शब्द	9
4.	बारहखड़ी	12
5.	मेरा परिवार	15
6.	शरीर के अंग	18
7.	रंग	21
8.	गिनती	24
9.	सब्जियाँ और फल	27
10.	पशु और पक्षी	30
11.	वस्त्र	33
12.	वाहन	36
13.	दिनों और महीनों के नाम	39

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षा: 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	दो वर्ण वाले शब्द	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरण: वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. दो वर्ण वाले शब्दों की पुनरावृत्ति के द्वारा उनसे बने वाक्यों को समझाना।
2. शब्द भंडार में वृद्धि करना।

विशेष उद्देश्य

1. दो वर्ण वाले शब्दों के द्वारा बने वाक्यों को समझें।
2. शब्द भंडार में वृद्धि करें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. दो वर्ण वाले शब्दों को समझना।
2. इन वर्णों से वाक्य रचना करने में समर्थ होना।

3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरणः शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

वर्णमाला का चित्र दिखाकर विद्यार्थियों के अक्षर ज्ञान को जानना।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक
श्यामपट्ट
कार्यपुस्तिका
मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. दो वर्ण वाले शब्दों को समझाना।
2. शब्दों के उच्चारण द्वारा पाठन कौशल का विकास करना।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. दो वर्णो से बने शब्दों को कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
2. उन शब्दों से वाक्य बनाना बताया जाएगा।
3. मल्टी मीडिया के वीडियो द्वारा इन शब्दों से बने वर्णों के उच्चारण को समझाया जाएगा।
4. शब्दों से बनी कविता के द्वारा उन शब्दों के प्रयोग को समझाया जाएगा।
5. पाठ के पीछे के अभ्यास को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगाः भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन 2. श्रवण 3. लेखन 4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगाः बोधगम्यता का विकास

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

1. विद्यार्थी पढ़ाए गए शब्दों से बने चित्रों में रंग भरेंगे।
2. विद्यार्थी दिए गए वर्ण से नए शब्द बनाने का प्रयास करेंगे।

PMP

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

श्यामपट्ट पर शब्दों को लिखकर विद्यार्थियों से उन शब्दों को पूछा जाएगा।

नोट: संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए चित्र को देखकर उस वस्तु का नाम लिखेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देश: निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षाः 1		विद्यार्थियों की संख्या	_____ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	_____ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	तीन वर्ण वाले शब्द	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. तीन वर्ण से बने नए शब्दों का ज्ञान कराना।
2. शब्द भंडार में वृद्धि करना।

विशेष उद्देश्य

1. तीन वर्ण से बने शब्दों को जानें।
2. शब्द भंडार में वृद्धि करें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. तीन वर्ण वाले शब्दों को समझना।
2. इन वर्णों से वाक्य रचना करने में समर्थ होना।

3. इन शब्दों को लिखने में सक्षम करना।

4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थियों से उनके आस-पास की वस्तुओं के नाम पूछे जाएंगे।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

श्यामपट्ट

कार्यपुस्तिका

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. अपने आस-पास की वस्तुओं के नाम को जानना।
2. तीन वर्ण वाले शब्दों को समझना।
3. शब्दों के उच्चारण द्वारा पाठन कौशल का विकास करना।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. तीन वर्णों से बने शब्दों को कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
2. उन शब्दों से वाक्य बनाना बताया जाएगा।
3. मल्टी मीडिया के वीडियो द्वारा इन शब्दों के प्रयोग को दिखाया जाएगा।
4. शब्दों से बनी कविता के द्वारा उन शब्दों के प्रयोग को समझाया जाएगा।
5. पाठ के पीछे के अभ्यास को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

1. विद्यार्थी दिए गए वर्णों को जोड़कर नए शब्द बनाएंगे।
2. विद्यार्थी दिए गए चित्र में तीन अक्षर वाले शब्दों की पहचान करेंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

श्यामपट्ट पर शब्दों को लिखकर विद्यार्थियों से उन शब्दों को पूछा जाएगा।

नोट: संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए चित्र को देखकर उस वस्तु का नाम लिखेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देश: निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षाः 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	चार वर्ण वाले शब्द	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. चार वर्ण वाले शब्दों की पुनरावृत्ति के द्वारा उनसे बने वाक्यों को समझाना।
2. शब्द भंडार में वृद्धि करना।

विशेष उद्देश्य

1. चार वर्ण वाले शब्दों के द्वारा बने वाक्य को समझें।
2. शब्द भंडार में वृद्धि करें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. वर्णों के पुनः स्मरण द्वारा हिंदी अक्षरों को याद कराना।
2. चार वर्ण वाले शब्दों को समझाना।

3. इन वर्णों से वाक्य रचना करने में समर्थ होना।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थियों से कुछ वर्णों को जोड़कर उनसे शब्द बनाने को कहा जाएगा।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

श्यामपट्ट

कार्यपुस्तिका

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. वर्णों के पुन: स्मरण द्वारा हिंदी अक्षरों को याद कराना।
2. चार वर्ण वाले शब्दों को समझाना।
3. शब्दों के उच्चारण द्वारा पाठन कौशल का विकास करना।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. वर्णमाला के चित्र को कक्षा में दिखाकर उनका उच्चारण कराया जाएगा।
2. चार वर्णों से बने शब्दों को कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. उन शब्दों से वाक्य बनाना बताया जाएगा।
4. मल्टी मीडिया के वीडियो द्वारा इन शब्दों के प्रयोग को दिखाया जाएगा।
5. शब्दों से बनी कविता के द्वारा उन शब्दों के प्रयोग को समझाया जाएगा।
6. पाठ के पीछे के अभ्यास को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

1. विद्यार्थी पढ़ाए गए शब्दों से बने चित्रों में रंग भरेंगे।
2. विद्यार्थी दिए गए वर्ण से नए शब्द बनाने का प्रयास करेंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

श्यामपट्ट पर शब्दों को लिखकर विद्यार्थियों से उन शब्दों को पूछा जाएगा।

नोट: संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए चित्र को देखकर उस वस्तु का नाम लिखेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देश: निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षाः 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	बारहखड़ी	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. हिंदी वर्णमाला के स्वरों की मात्राओं को समझाना।
2. भाषा ज्ञान में वृद्धि करना।

विशेष उद्देश्य

1. हिंदी वर्णमाला के स्वरों की मात्राओं को समझें।
2. व्यंजनों में मात्रा लगाकर नए शब्द बना सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. मात्राओं को समझाना।
2. वर्णों में मात्राओं का प्रयोग कर नए शब्द बनाने में समर्थ करना।

3. इन शब्दों को लिखने में सक्षम करना।

4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरणः शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थियों से उनके आस-पास की वस्तुओं को बताने को कहा जाएगा।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

कार्यपुस्तिका

श्यामपट्ट

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. अपने आस-पास की वस्तुओं के नाम को जानना।
2. सभी मात्राओं को लिखने के साथ ही उनके उच्चारण को समझना।
3. शब्दों के उच्चारण द्वारा पाठन कौशल का विकास करना।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।
5. मात्राओं का प्रयोग करके शब्दों को बनाना और अभ्यास कार्य के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।
6. क्रियाकलाप के द्वारा विद्यार्थियों की बोधगम्यता का विकास करना।

योजना

1. सर्वप्रथम स्वर और व्यंजनों का कक्षा में प्रत्यास्मरण कराया जाएगा।
2. प्रत्येक स्वर की मात्रा को श्यामपट्ट पर लिख कर बताया जाएगा।
3. मल्टी मीडिया के वीडियो द्वारा मात्राओं के उच्चारण को बताया जाएगा।
4. विभिन्न शब्दों में मात्राओं को लगाकर नए शब्दों का ज्ञान दिया जाएगा।
5. कार्यपत्र में अभ्यास कार्य कराया जाएगा।
6. पाठ के पीछे के अभ्यास को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगाः भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन 2. श्रवण 3. लेखन 4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगाः बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

1. विद्यार्थी दिए गए वर्णों में मात्राओं को जोड़कर नए शब्द बनाएंगे।
2. विद्यार्थी मात्राओं वाले शब्दों को देखकर उन्हें लिखने का अभ्यास करेंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

श्यामपट्ट पर शब्दों को लिखकर विद्यार्थियों से उन शब्दों को पूछा जाएगा।

नोटः संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए शब्दों में सही मात्रा लगाकर सार्थक शब्द बनाएं।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देशः निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षाः 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	मेरा परिवार	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

विद्यार्थी को परिवार और उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना।

विशेष उद्देश्य

विद्यार्थी को स्वयं के परिवार और परिवार के विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी को परिवार और उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना।
2. परिवार के सदस्यों के संबोधन को जानना।
3. विद्यार्थी जानें कि परिवार के सभी सदस्यों के आपसी रिश्ते क्या होते हैं।

4. एक व्यक्ति के लिए परिवार का क्या महत्व होता है? इसे समझाना।
5. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

आपके परिवार में कौन कौन हैं? उनके साथ रह कर आप क्या अनुभव करते हैं? यह बताना।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक
श्यामपट्ट
कार्यपुस्तिका
मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को परिवार और उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना।
2. परिवार के सदस्यों के संबोधनों को जानना जैसे- पिता के पिता को दादा, माँ के पिता को नाना, इत्यादि।
3. विद्यार्थी जानें कि परिवार के सभी सदस्यों के आपसी रिश्ते क्या होते हैं।
4. एक व्यक्ति के लिए परिवार का क्या महत्व होता है? इसे समझाना।
5. अंग्रेजी में आपसी रिश्तों को क्या कहते हैं और उन्हें हिंदी में क्या कहते हैं? यह बताना।
6. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. एक परिवार के चित्र को कक्षा में दिखाकर विद्यार्थियों से उसके विषय में पूछा जाएगा।
2. तत्पश्चात पाठ को कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. अलग-अलग परिवारों के बारे में बताया जाएगा-एकल परिवार, संयुक्त परिवार, इत्यादि।
4. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

विद्यार्थी अपने परिवार के सदस्यों का एक कोलॉज बनाएंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

परिवार के विषय में विद्यार्थी अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

नोट: संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

PMP

शिक्षक हेतु निर्देश: निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षा: 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	शरीर के अंग	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थी मानव शरीर के विभिन्न अंगों से परिचित हों।
2. वे शरीर के विभिन्न अंगो के कार्यों को जान सकें।

विशेष उद्देश्य

1. हमारे शरीर का प्रत्येक अंग कितना महत्वपूर्ण है? यह समझें।
2. शरीर के सभी अंग क्या कार्य करते हैं? यह जान सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी को मानव शरीर के विभिन्न अंगों से परिचित कराना।
2. शरीर के विभिन्न अंगो के कार्यों को समझाना।

3. विद्यार्थी जानें कि शरीर के सभी अंग कितने महत्वपूर्ण हैं।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थियों से शरीर के विभिन्न अंगो के नामों को पूछा जाएगा।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक
कार्यपुस्तिका
श्यामपट्ट
मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थी को मानव शरीर के विभिन्न अंगों से परिचित कराना।
2. शरीर के विभिन्न अंगो के कार्यों को समझाना।
3. विद्यार्थी जानें कि शरीर के सभी अंग कितने महत्वपूर्ण हैं।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. शरीर के विभिन्न अंगो के चित्र को कक्षा में दिखाकर विद्यार्थियों से उनके विषय में पूछा जाएगा।
2. तत्पश्चात पाठ को कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. अलग-अलग अंगों के बारे में बताया जाएगा जैसे- सिर, बाल, आँख, आदि।
4. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

1. विद्यार्थी चार्ट पर बनाए गए शरीर के अंग के विषय में कक्षा में प्रस्तुति देंगे।
2. विद्यार्थी क्रियाकलाप के द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों के कार्य को दिखाएंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

विद्यार्थी दिखाए गए चित्र में शरीर के अंगों को पहचान कर उनके नाम बताएंगे।

नोटः संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देशः निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षा: 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	रंग	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरण: वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थी इस संसार में फैले रंगो से परिचित हो सकें।
2. कौन से रंग प्राथमिक होते हैं और उन्हें मिलाकर कौन से अन्य रंग बनाए जाते हैं? यह समझाना।

विशेष उद्देश्य

प्राथमिक रंगो और उनके मिश्रण से बने अन्य रंगो को जान सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी को विभिन्न रंगो से परिचित कराना।
2. प्राथमिक रंगो और उनके मिश्रण से बने अन्य रंगो के विषय में बताना।

3. हमारे आस-पास कितने रंग बिखरे हैं और वह किस प्रकार हमारे जीवन को सुंदर बनाते हैं? यह समझाना।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थी अपने आस-पास कौन से रंग देखते हैं? यह बताना।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक
श्यामपट्ट
कार्यपुस्तिका
मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थी को विभिन्न रंगो से परिचित कराना।
2. प्राथमिक रंगो और उनके मिश्रण से बने अन्य रंगो के विषय में बताना।
3. हमारे आस-पास कितने रंग बिखरे हैं और वह किस प्रकार हमारे जीवन को सुंदर बनाते हैं? यह समझाना।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. अलग-अलग रंगो को कक्षा में दिखाकर विद्यार्थियों से उनके नाम पूछे जाएंगे।
2. तत्पश्चात पाठ को कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. अलग-अलग रंगो के बारे में बताया जाएगा जैसे- लाल, पीला, नीला, आदि।
4. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन 2. श्रवण 3. लेखन 4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

1. विद्यार्थी वस्तु के दिए गए चित्र में रंग भरेंगे।
2. एक ही रंग की वस्तुओं को एकत्रित करेंगे।

PMP

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

विद्यार्थी दिखाए गए चित्र को पहचान कर उसके रंग को बताएंगे।

नोट: संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देश: निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षाः 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	गिनती	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			______________

PMP

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. गणित के विषय संख्या को समझाना।
2. 1 से 20 तक की गिनती को हिंदी शब्दों में समझाना।

विशेष उद्देश्य

1 से 20 तक की संख्या को हिंदी में क्या कहते हैं? यह जान सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी को अंको से परिचित कराना।
2. संख्या का ज्ञान क्यों आवश्यक है? यह समझाना।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थी अपने आस-पास रखी वस्तुओं को गिनकर बताएंगे।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

श्यामपट्ट

कार्यपुस्तिका

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को अंको से परिचित कराना।
2. संख्या का ज्ञान क्यों आवश्यक है? यह समझाना।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. विभिन्न वस्तुओं को दिखाकर विद्यार्थियों से उनकी संख्या को पूछा जाएगा।
2. तत्पश्चात कक्षा में अंको को पढ़ाया जाएगा।
3. संख्या पर आधारित वीडियो को दिखाया जाएगा।
4. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

विद्यार्थी वस्तु के दिए गए चित्र को गिनकर उसकी संख्या को अंको और शब्दों में लिखेंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

विद्यार्थी चित्र में दिखाई गई वस्तुओं की संख्या को बताएंगे।

नोटः संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देशः निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षाः 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	सब्जियाँ और फल	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			______________

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थी अपने आस-पास मिलने वाली सब्जियों और फलों के विषय में जान सकें।
2. ये सब्जियाँ और फल हमारे लिए कितने आवश्यक हैं? यह समझाना।

विशेष उद्देश्य

1. विद्यार्थी सब्जियों और फलों के नाम को जान सकें।
2. यह समझाना कि ये विभिन्न सब्जियाँ और फल हमारे स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होते हैं।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी अपने आस-पास मिलने वाली सब्जियों और फलों के विषय में जान सकेंगे।
2. ये सब्जियाँ और फल हमारे लिए कितने आवश्यक हैं? यह समझाना।

PMP

3. यह बताना कि ये विभिन्न सब्जियाँ और फल हमारे स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होते हैं।
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरणः शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

आपको कौन से फल और सब्जी पसंद हैं? उनका रंग कैसा होता है? यह बताना।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक
श्यामपट्ट
कार्यपुस्तिका
मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थी को उनके आस-पास मिलने वाली सब्जियों और फलों से परिचित कराना।
2. ये सब्जियाँ और फल हमारे लिए कितने आवश्यक हैं? यह समझाना।
3. विद्यार्थी जानें कि सब्जियाँ और फल खाना क्यों आवश्यक है?
4. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. सब्जियों और फलों के चित्र को कक्षा में दिखाकर विद्यार्थियों से उनके विषय में पूछा जाएगा।
2. तत्पश्चात इनके विषय में कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. अलग-अलग सब्जियों और फलों के बारे में बताया जाएगा।
4. उनसे मिलने वाले गुणों के विषय में बताया जाएगा।
5. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगाः भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगाः बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

1. विद्यार्थी चार्ट पर बनाए गए किसी सब्जी और फल के विषय में कक्षा में प्रस्तुति देंगे।
2. विद्यार्थी क्रियाकलाप के द्वारा सब्जी और फल के चित्र में रंग भरेंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

दिखाए गए चित्र में सब्जी और फल को पहचान कर उनके नाम बताएंगे।

नोटः संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देशः निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षाः 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	पशु और पक्षी	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

प्रथम चरणः वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

विद्यार्थी विभिन्न पशुओं और पक्षियों तथा उनके स्वभाव इत्यादि से परिचित हो सकेंगे।

विशेष उद्देश्य

1. विद्यार्थी विभिन्न पशुओं और पक्षियों के रूप, रंग आदि के विषय में जानें।
2. वे पशु-पक्षियों की आवाज़ों, उनके रहने के स्थानों आदि के विषय में जान सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी विभिन्न पशुओं और पक्षियों तथा उनके स्वभाव इत्यादि से परिचित हो सकें।
2. वे जानें कि कैसे प्रत्येक पशु-पक्षी एक अलग प्रकार से व्यवहार करता है।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

PMP

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थियों से अपने आस-पास के पशुओं और पक्षियो जैसे-गाय, कुत्ता, कौआ, कबूतरए आदि के विषय में क्या जानते है? पूछा जाएगा।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

कार्यपुस्तिका

श्यामपट्ट

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थी विभिन्न पशुओं और पक्षियों तथा उनके स्वभाव इत्यादि से परिचित हो सकें।
2. वे जानें कि कैसे प्रत्येक पशु-पक्षी एक अलग प्रकार से व्यवहार करता है।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. पशुओं और पक्षियों के चित्र को कक्षा में दिखाकर विद्यार्थियों से उनके विषय में पूछा जाएगा।
2. तत्पश्चात इनके विषय में कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. अलग-अलग पशुओं और पक्षियों तथा उनके स्वभाव के विषय में कक्षा में बताया जाएगा।
4. उनके रहने के स्थानों के बारे में बताया जाएगा।
5. मल्टी मीडिया के वीडियो द्वारा पशुओं और पक्षियों के बारे में बताया जाएगा।
6. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

विद्यार्थी अपने आस-पास दिखने वाले पशुओं के चित्रों को एक चार्ट पर लगाएंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

विद्यार्थी दिखाए गए चित्र में पशुओं और पक्षियों को पहचान कर उनके नाम बताएंगे।

नोटः संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देशः निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यार्थी की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यार्थी के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षा: 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	वस्त्र	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

1. प्रस्तावित पाठ योजना

सामान्य उद्देश्य

जिन वस्त्रों को या तो हम पहनते हैं या अपने आस-पास के लोगो को पहने देखते हैं, उनके नामों से परिचित कराना।

विशेष उद्देश्य

विभिन्न वस्त्रों को हिंदी में क्या कहते हैं? यह जान सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी को विभिन्न प्रकार के वस्त्रों से परिचित कराना।
2. अलग-अलग समय और स्थान पर पहने जाने वाले वस्त्रों के विषय में समझाना।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थी अपने द्वारा पहने जाने वाले वस्त्रों के बारे में बताएंगे।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

श्यामपट्ट

कार्यपुस्तिका

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के वस्त्रों से परिचित कराना।
2. अलग-अलग समय और स्थान पर पहने जाने वाले वस्त्रों के विषय में समझाना।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. मल्टी मीडिया के विडियो द्वारा विभिन्न प्रकार के वस्त्रों के चित्रों को दिखाया जाएगा।
2. तत्पश्चात वस्त्रों के बारे में कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. अलग-अलग समय और स्थान पर पहने जाने वाले वस्त्रों के विषय में बताया जाएगा।
4. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

PMP

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

विद्यार्थी स्वयं के द्वारा पहने जाने वाले वस्त्र का चित्र बनाकर उसमें रंग भरेंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

चित्र में दिखाए गए वस्त्रों के नाम विद्यार्थी बताएंगे।

नोटः संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देशः निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षा: 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/ पाठ	वाहन	इकाई	
अध्यापक/ अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरण: वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

जिन वाहनों को हम अपने आस-पास देखते हैं, उनके नामों से परिचित कराना।

विशेष उद्देश्य

विभिन्न वाहनों को हिंदी में क्या कहते हैं? यह जान सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी को विभिन्न प्रकार के वाहनों के नामों से परिचित कराना।
2. अलग-अलग प्रकार के वाहनों के विषय में बताना।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थी अपने आस-पास जिन वाहनों को देखते हैं उनके बारे में बताएंगे।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

श्यामपट्ट

कार्यपुस्तिका

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के वाहनों के नामों से परिचित कराना।
2. अलग-अलग प्रकार के वाहनों के विषय में बताना।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. मल्टी मीडिया के विडियो द्वारा विभिन्न प्रकार के वाहनों के चित्र को दिखाया जाएगा।
2. तत्पश्चात वाहनों के बारे में कक्षा में पढ़ाया जाएगा।
3. अलग-अलग स्थान पर चलने वाले वाहनों के विषय में बताया जाएगा जैसे- कार सड़क पर, नाव पानी में, आदि।
4. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन
2. श्रवण
3. लेखन
4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

विद्यार्थी एक चार्ट पर अपनी पसंद के वाहन का चित्र बनाकर कक्षा में उसके विषय में बताएंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

पुनरावृत्ति

चित्र में दिखाए गए वाहनों के नाम विद्यार्थी बताएंगे।

नोट: संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देश: निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP

प्रस्तावित पाठ योजना

Hindi FS-4

दिनांक (दिनांक/कालांश का निष्पादन)			
कक्षा: 1		विद्यार्थियों की संख्या	______ विद्यार्थी
विषय	विषय	कालांश	______ मिनट
विषय/विषयवस्तु/पाठ	दिनों और महीनों के नाम	इकाई	
अध्यापक/अध्यापिका का नाम			____________

PMP

प्रथम चरण: वांछित परिणाम

सामान्य उद्देश्य

विद्यार्थी दिनों और महीनों के नामों से परिचित हो सकेंगे।

विशेष उद्देश्य

विद्यार्थी दिनों और महीनों के हिंदी नामों से परिचित हो सकें।

शैक्षिक उद्देश्य

1. विद्यार्थी दिनों और महीनों के नामों से परिचित हो सकेंगे।
2. वे जानें कि दिनों और महीनों के नामों को हिंदी में क्या कहते हैं।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

द्वितीय चरण: शिक्षण योजना

पूर्व ज्ञान

विद्यार्थियों से दिनों और महीनों के नामों को पूछा जाएगा।

शैक्षिक सामग्री

पाठ्य पुस्तक

कार्यपुस्तिका

श्यामपट्ट

मल्टी मीडिया

उद्देश्य

1. विद्यार्थी दिनों और महीनों के नाम से परिचित हो सकेंगे।
2. वे जानें कि दिनों और महीनों के नामों को हिंदी में क्या कहते हैं।
3. दिए गए अभ्यास कार्य और क्रियाकलापों के द्वारा प्राप्त ज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।

योजना

1. दिनों और महीनों के नाम श्यामपट्ट पर लिखकर विद्यार्थियों को बताया जाएगा।
2. विद्यालय में किस दिन अवकाश होता है? पूछा जाएगा।
3. मल्टी मीडिया के वीडियो द्वारा दिनों और महीनों के नामों के बारे में बताया जाएगा।
4. अलग-अलग महीनों में आने वाले पर्वों के विषय में बताया जाएगा।
5. पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य को कराया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: भाषायी कौशल, संज्ञानात्मक कौशल

1. पठन 2. श्रवण 3. लेखन 4. वाचन कौशल का विकास

विद्यार्थी द्वारा संभावित कौशलों का विकास होगा: बोधगम्यता का विकास

गतिविधि/परियोजना/एकीकरण/शोध कार्य

विद्यार्थी अपने स्वयं के और अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन किस महीने में होते हैं? लिखेंगे।

कक्षा कार्य

पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य और कार्य पत्र को कराया जाएगा।

PMP

पुनरावृत्ति

दिनों और महीनों के नामों को चार्ट पर लिखकर विद्यार्थियों से उनका उच्चारण कराया जाएगा।

नोट: संबंधित शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा कक्षा में पाठ की समझ को ध्यान में रखकर आगे के सत्र की योजना बना सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

अभ्यास पत्र

अभ्यास पुस्तिका में कार्य कराया जाएगा।

मूल्यांकन

विद्यार्थी दिए गए अभ्यास पत्र को करेंगे।

मौखिक परीक्षा / बातचीत / गतिविधि के द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विशिष्ट टिप्पणी

बातचीत तथा आयोजित मूल्यांकन के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों / कक्षा के लिए भरेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देश: निम्नलिखित बातों पर ध्यान देते हुए पाठ योजना में बदलाव करें।

1. विद्यार्थी की रूचि और आवश्यकता
2. कक्षा में विद्यार्थी और अध्यापक की संख्या
3. रचनात्मक शैक्षिक प्रणाली
4. पठन और लेखन के अभ्यास हेतु शब्द भंडार की सूची
5. विद्यालय की मूल्यांकन योजना के अनुसार
6. विद्यालय के अवकाश और कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर

PMP